Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding privatisation of Government Sector jobs.

श्री हरीश मीना (दौसा): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे, जिससे देश के युवाओं के भविष्य का सवाल जुड़ा हुआ है, पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार।

सरकार की जो नीति है, उसके तहत सरकारी सेवाओं का निजीकरण हो रहा है और इसके कारण युवाओं का बहुत नुकसान हो रहा है। निजीकरण के कारण ठेकेदार काम करने वाले युवाओं को कम तनख्वाह देते हैं और उनसे ज्यादा काम लेते हैं। इस प्रकार से ठेकेदार युवाओं का शोषण करते हैं।

गरीबों और दलितों के लिए सरकारी सेवाओं में जो आरक्षण की व्यवस्था हुई थी, वह बिल्कुल समाप्त हो गयी है। इन्हीं नीतियों के कारण, महाराष्ट्र में मराठाओं के आंदोलन, गुजरात में पाटीदारों के आंदोलन और हरियाणा में जाटों के आंदोलन हो रहे हैं।

मेरे संसदीय क्षेत्र दौसा में न कृषि योग्य जमीन है, न कोई उद्योग है, वहाँ के युवा नौकरी के लिए कहाँ जाएंगे? इसलिए आपके माध्यम से मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूँ कि सरकारी सेवाओं में कमी न की जाए और निजीकरण को बंद किया जाए ताकि हमारे युवाओं को सरकारी नौकरियाँ मिल सकें।

माननीय अध्यक्ष :

सर्वश्री भैंरो प्रसाद मिश्र,

राहुल शेवाले,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

अरविंद सावंत,

विनायक भाऊराव राऊत,

डॉ. हिना विजयकुमार और

गावीत कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हरीश मीना द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।